बैंगन (Brinjal)

कॉमन नाम : एग प्लान्ट

कुल : सोलेनेसी

उत्पत्ति स्थल : भारत

खाने योग्य भाग : फल

- **वानस्पतिक नाम** : सोलेनम मेलोनजेना
- **गुणसूत्र संख्या** : 24 (द्विगुणित)
- **फल प्रकार (FT)** : सरस (Berry)
- **पुष्पक्रम** : साइम

विषैलापन का कारक : सोलेसीडीन

→ बैंगन विटामिन-B का अच्छा स्रोत है।

→ फल को काटने पर सफेद से भूरा होने का कारण—पॉली फिनॉल ऑक्सीडेज (बैंगन, आलू व सेब)

Scanned with CamScanner

→ बैंगन का परपल रंग '**एन्थोसाइनीन**' वर्णक के कारण होता है।

→ राज्य में बैंगन का सर्वाधिक उत्पादन **श्रीगंगानगर** (2018-19) में होता है।

जलवायु (Climate)

- बैंगन **ऊष्ण कटिबंधीय** जलवायु की सब्जी है, टमाटर की तरह यह भी पाले से प्रभावित होती है।
- इसकी सफलतम खेती के लिए 13-21° C औसत तापमान उपयुक्त है।

मृदा एवं खेत की तैयारी (Soil & Field preparation)

- बैंगन के लिए अच्छे जल निकास वाली जीवांश युक्त गहरी दोमट मृदा सर्वोत्तम रहती है।
- पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए 6.5-7.5 pH होनी चाहिए।

बुवाई का समय एवं बीज की मात्रा

फसल	बीज की बुआई का समय	पौध रोपण का समय	फलोत्पादन
शरदकालीन	जून-जुलाई	जुलाई-अगस्त	सितम्बर-अक्टूबर
ग्रीष्मकालीन	दिसम्बर-जनवरी	फरवरी-मार्च	अप्रैल-मई
वर्षाकालीन	मार्च-अप्रैल	अप्रैल-मई	जून-जुलाई

- एक हैक्टेयर के लिए 125-150 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का नर्सरी क्षेत्रफल काफी रहता है।
- एक हैक्टेयर में पौध रोपाई के लिए **400-500 ग्राम बीज** की आवश्यकता होती है।

Scanned with CamScanner

उन्नत किस्में (Improved Varieties)

- **लम्बे फल वाली**—पूसा परपन लोंग, पूसा परपल क्लस्टर (विल्ट रोधी), पूसा अनुपम, पंत सम्राट, अर्का शिरिश, आजाद क्रांति, पूसा क्रांति, पंजाब सदाबहार। [नोट : अर्का सम्राट - टमाटर, पंत सम्राट - बैंगन]
- **गोल फल वाली**—पूसा परपल राउण्ड (लिटिल लीफ रोधी) टाईप-3, सलेक्शन-1, पी.बी.एच.-6, पंत ऋतुराज, पूसा अनमोल।
- **हाइब्रिट (संकर) किस्में**—अर्का नवनीत (सर्वाधिक उपज), पूसा-H-6, नरेन्द्र संकर-2, पूसा H-9
- **अन्य**—अन्नामलाई (एफिड रोधी), अक्रा कुशमकार (गुच्छों में फल), हिसार जामुनी (रेटून फसल हेतु), KKM-I - सफेद रंग की यह किस्म मधुमेह रोगियों हेतु उपयोगी है।

खाद एवं उर्वरक (प्रति हैक्टेयर)

N	P_2O_5	K_2O	FYM (सड़ी हुई गोबर की खाद)
80 kg (40 kg बुवाई पूर्व + 40 kg खड़ी फसल में)	80 kg (बुवाई पूर्व)	80 kg (बुवाई पूर्व)	20-25 टन

Scanned with CamScanner

प्रमुख कीट (Important Insect)

1. **तना एवं फल छेदक (Stam & Fruit borer)**—ल्यूसिनोडेस अरबोनेलिस

   → यह बैंगन का प्रमुख कीट है, जिसका लार्वा पौधों के प्ररोह में 'डेड हर्ट' तथा फल में छेद कर अन्दर का गुदा खाता है।

   नियंत्रण : मैलाथियान 0.5 ml/लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें।

2. **हाडा/एपीलेकना बीटल**—लाल रंग का यह कीट पत्तियों को **छलनीनुमा** बना देता है।

   नियंत्रण : कार्बेरिल एवं मैलाथियान 1 ml/लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें।

3. **हरा तेला (Jassid), मोयला (Aphid), सफेद मक्खी (White Fly) व लाल माइट**—यह सब रस चूसने वाले वायरस वाहक कीट हैं।

   नियंत्रण : रस चूसक कीट नाशक का प्रयोग जैसे—डाईमथोएट (रोगार)

प्रमुख रोग (Important diseases)

1. **छोटी पत्ती रोग (Little leaf)**

   कारक : माइकोप्लाज्मा/फाइटोप्लाज्मा

   वाहक कीट : लीफ हॉपर।

   → विनाशकारी रोग जिसमें पत्तियाँ छोटी होकर पौधा झाड़ीनुमा हो जाता है, जिसके फल नहीं बनते।

   नियंत्रण : वाहक कीटों के लिए कीटानुनाशक का प्रयोग, फसल चक्र व रोगरोधी किस्में अपनाए।

2. **सूत्रकृति रोग (Nimatode disases)**—जड़ों में गाँठे बनने से पौधों की वृद्धि रुक जाती है व पत्तियाँ गिरने से उपज कम हो जाती है। नियंत्रण भूमि तैयार करते समय फ्यूराडॉन 2 kg/हैक्टेयर का प्रयोग करें।

3. **फोमोप्सिस ब्लाइट**—

   कारक : कवक (फॉम्प्सिस वेक्सन)—यह बैंगन की प्रमुख बीमारी है जिसका प्रभाव पौधे के प्रत्येक भाग पर होता है।

   रोकथाम : बाविस्टिन 2.5 g/kg की दर से बीजोपचार, फसल चक्र व रोग रोधी किस्मों (पूसा भैरव, फ्लोरीडा मार्केट) का प्रयो करें।

4. **आर्द्र गलन (Damping off)**—**नोट :** टमाटर फसल देखें।

तुड़ाई एवं उपज (Harvesting and Yield)

- रंग फीका पड़ने व बीज बनने से पूर्व फलों की तुड़ाई कर लेनी चाहिए।
- सामान्य किस्मों में **200-250 क्विंटल** व संकर किस्मों में **350-400 क्वि** प्राप्त हो जाती है।

Scanned with CamScanner